Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)

Geography (Hons.), B.A. Part-1.

Paper-1

Topic - Coral Reefs and Atolls

Date 15/06/2021

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
BRABU, Muzaffarpur

Coral Reef and Atolls

प्रवाल भित्तियाँ या प्रवाल शैल-भित्तियाँ (Coral reefs) समुद्र के भीतर स्थित चट्टान हैं जो प्रवालों द्वारा छोड़े गए कैल्सियम कार्बोनेट से निर्मित होती हैं। वस्तुतः ये इन छोटे जीवों की बस्तियाँ होती हैं। प्रवाल कठोर संरचना वाले चूना प्रधान जीव (सिलेन्ट्रेटा पालिप्स) होते हैं। ये शैल-भित्तियाँ समुद्र तट से थोड़ी दूर हटकर पाई जाती हैं, जिससे इनके बीच छिछले लैगून बन जाते हैं।

आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया की सबसे बड़ी और प्रमुख अवरोधक प्रवाल भित्ति है। भारतीय समुद्री क्षेत्र में मन्नार की खाड़ी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार आदि द्वीप भी प्रवालों से निर्मित हैं। ये प्रवाल लाल सागर और फारस की खाड़ी में भी पाए जाते हैं।

प्रवाल भित्तियाँ तटों के निकट प्रवाल (Coral) द्वारा निर्मित भित्ति होती हैं। प्रवाल भित्तियों की उत्पत्ति उष्णकटिबंधीय सागरों में होती है। प्रवाल उत्पत्ति के लिए निम्न भौगोलिक परिस्थितियों की आवश्यकता होती है :

1. सागर के जल का तापमान लगभग 21°C होनी चाहिए। 18°C से कम तापमान पर प्रवाल मरने लगते हैं।

2. प्रवाल भित्तियाँ प्रायः 30° N (उत्तर) तथा 30° दक्षिण में विकसित होती हैं।

3. प्रवाल उथले सागरों, तथा महाद्वीपीय शेल्फ (Continental shelf) में विकसित होते हैं।

4. सागरी तट प्रदूषण रहित हो। गंदले और अवसादी जल में प्रवाल मर जाते हैं।

5. प्रवाल भित्तियाँ प्रायः 5 से 10 मीटर गहरे प्रकाशित जल में भली-भांति विकसित होती हैं।

प्रवाल भित्तियों का वर्गीकरण
(Classification of Coral Reefs)

प्रवाल भित्तियों को निम्न वर्गों में विभि तिभाजित किया जा सकता है :

1. तटीय प्रवाल भित्तियाँ (Fringing Reef) → ये प्रवाल भित्तियाँ तट से सटी हुई होती हैं। सामान्यतः इनकी चौड़ाई एक किलोमीटर तक हो सकती है। इस प्रकार की भित्तियाँ प्रशान्त महासागर, कैम्ब्रियन सागर, लाल सागर, मेडागास्कर के तट के निकट पाई जाती हैं। भारत के लक्षद्वीप में भी बहुत-सी तटीय प्रवाल भित्तियाँ हैं।

2. प्रवाल रोधिका (Barrier Reef) → प्रवाल रोधिका धरातल से थोड़ी दूरी पर तट के समानान्तर विकसित होती है। धरातल एवं रीफ के बीच एक लैगून अथवा झील होती है। बैरियर रीफ का सागर की ओर का ढ़लान तीव्र होती है। आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित ग्रेट बैरियर रीफ विश्व की सबसे बड़ी बैरियर रीफ है, जिसकी लम्बाई लगभग 2000 किलोमीटर और चौड़ाई लगभग 150 किलोमीटर है।

एटॉल (Atol) - प्रवाल द्वीप

एटॉल एक वलयाकार द्वीप भित्ति होती है, जो सागर में किसी द्वीप के चारों ओर विकसित होती है। विश्व में लगभग 330 एटॉल है। जिनमें से अधिकतर हिन्द महासागर में स्थित है। भारत में लक्षद्वीप समूह में भी बहुत से छोटे बड़े एटॉल है।

Attols are rings of Coral that Create Protected lagoons and are usually located in the middle of the Sea.

प्रवालद्वीप, मूँगे का एक द्वीप या फिर द्वीपों की शृंखला होती है, जो किसी अनूप को आंशिक रूप से या फिर पूरी तरह से घेरे रहती है।

प्रवाल भित्तियों का विश्व वितरण

जैसा कि ऊपर वर्णन किया जा चुका है, विश्व की अधिकतर प्रवाल भित्तिया 30° N और 30° S के अक्षांशों में पाई जाती है। एक अनुमान के अनुसार विश्व की कुल प्रवाल भित्तियों का क्षेत्रफल 284, 300 वर्ग किलोमीटर है।

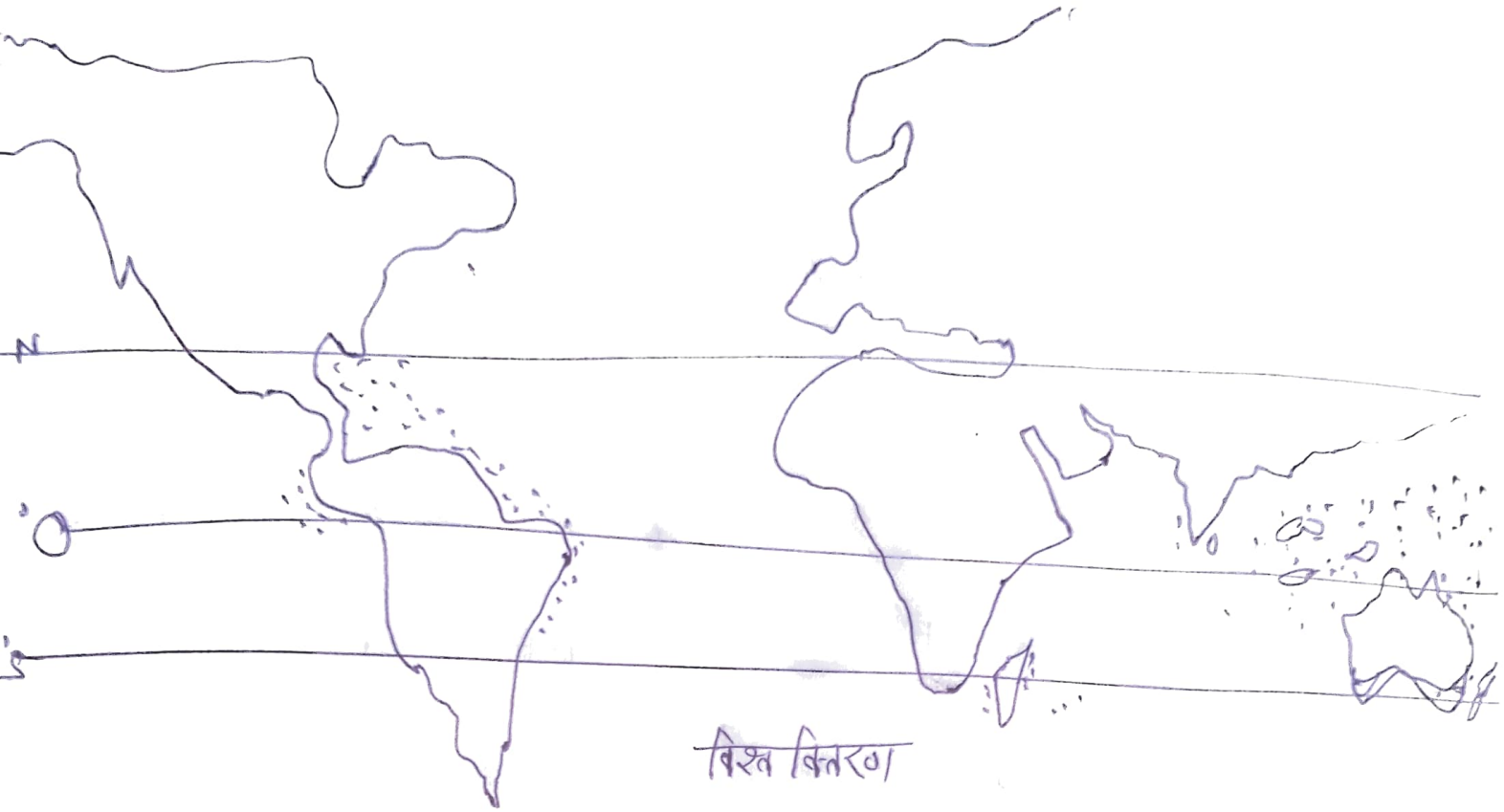

विश्व वितरण